

दीपक,

आलोक कुमार,
उपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सोना में,

निदेशक,
राज्य योजना आयोग/
नियोजन निदेशालय,
उत्तरांचल, देहरादून।

नियोजन अनुभाग।

देहरादून: दिनांक: ०१ सितम्बर, 2004

विषय:- वित्तीय वर्ष 2004-05 के लिए अनुदान संख्या-07 के लेखाशीर्षक-3451-सचिवालय आर्थिक सेवायें हेतु अबचनबद्ध मदों में प्राविधानित धनराशि का आवंटन/स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तरांचल शासन के शासनादेश संख्या-554/वि0अनु0-1/2004, दिनांक 30 जुलाई, 2004 एवं शासनादेश संख्या-447/01-वि0अनु0/2004, दिनांक 10 अगस्त, 2004 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष-2004-05 के लिए अनुदान-07, लेखाशीर्षक-" 3451- सचिवालय आर्थिक सेवायें " के अन्तर्गत 03-नियोजन अधिष्ठान के लिए अबचनबद्ध मदों हेतु संलग्न विवरणानुसार आयोजनेत्तर पक्ष में निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन उल्लिखित मानक मदों के सम्मुख अंकित कुल धनराशि रुपये 35.50 लाख (रुपये पैंतीस लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्वहन पर रखे जाने की महामहिम राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- वित्तीय वर्ष 2004-05 के लिए अधिकृत धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजना पर ही व्यय किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग वित्तीय वर्ष 2004-05 की नई मदों के क्रियान्वयन के लिए नहीं किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत कार्यों पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तापुस्तिका में बजट मैनुवल, स्टोर परवेज सल्ल एवं भित्तव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जायेगा।
- 3- यह सुनिश्चित किया जाय कि स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय नहीं किया जायेगा जिसके लिए वित्तीय हस्तापुस्तिका तथा बजट मैनुवल के नियमों के अन्तर्गत राक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो उस प्रकरण में व्यय के पूर्व यह प्राप्त कर ली जाय।
- 4- संलग्न वर्णित धनराशि का समय से उपयोग करने के लिए यह सुनिश्चित करें कि धनराशियों को परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दिया जाय तथा व्यय का विवरण तथा राक्षम प्रत्येक माह बी0एन-13 पर शासन को उपस्था कराया जाय।

5- उपकरण/फर्नीचर का कय कार्यालय/पद धारक के मानक के अनुसार डी0जी0एस0 एण्ड डी0 की दर अथवा टैण्डर/कॉटेशन विषयक नियमों का अनुपालन करते हुए किया जायेगा।

6- कम्प्यूटर आदि का कय ए0आई0सी0/आई0टी0 की संरुति अथवा उनके विशानिर्देशों का अनुपालन करते हुए किया जायेगा।

7- अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) नियोजन विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराने का कष्ट करें। राजस्व एवं पूंजीगत षक्ष में एकमुश्त स्वीकृतियां जारी करने के पूर्व बजट मनुअल के पैरा-94 में उल्लिखित निर्देशों का अनुपालन कड़ाई से किया जायेगा। यदि इसे पूरा नहीं किया जायेगा तो वित्तीय अनियमितता माना जायेगा।

8- यह सुनिश्चित किया जाय कि शासन द्वारा उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त इस संबंध में जारी शासनादेशों का अनुपालन अधीनस्थ तक भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

9- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-3-2005 तक पूर्ण उपयोग सुनिश्चित कर लिया जाये।

10- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्यायक की अनुदान संख्या-07, लेखाशीर्षक-3451-सचिवालय आर्थिक सेवायें-00-आयोजनेत्तर-092-अन्य कार्यालय-03-नियोजन अधिष्ठान-00 की संलग्नक में उल्लिखित भुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

11- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 1062/वि0 अनु0-3 /2004, दिनांक 2 सितम्बर, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-सथोक्त।

भवदीय,


(आलोक कुमार)
अपर सचिव।

संख्या- 160 (1)/01/XXVI/2004, तददिनांक:

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, ओबराय बिल्डिंग, पटेल नगर, देहरादून।
- 2- निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 5- समन्वयक, सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(टीकम सिंह पंवार)
उप सचिव।

शासनादेश संख्या- 168 / 01 / XXVI / 2004, दिनांक: सितम्बर, 2004 का संलग्नक।

अनुदान संख्या-7	आयोजनेत्तर (धनराशि हजार रुपये में)
3451-सचिवालय आर्थिक सेवाएँ 092-अन्य कार्यालय 03-नियोजन अधिष्ठान	
12-कार्यालय फर्नीचर एवं संपकरण	500
16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	1500
18-प्रकाशन	200
22-आतिथ्य व्यय विद्वत्क भत्ता आदि	100
26- मशीनें और सज्जा/उपकरण एवं संग्रह	500
27- शिक्षित्वा व्यय की प्रतिपूर्ति	200
42-अन्य व्यय	100
45- अवकाश यात्रा व्यय	150
46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय	300
योग- (रुपये पैंतीस लाख पचास हजार मात्र)	35.50


(टीकम सिंह पुरी)
उप सचिव।